1898

SHRI BHUPESH GUPTA: May know whether in view of the newspaper reports and otherwise the Government thought it fit to enquire from the countries concerned, specially Britain with whom we have got sound relations, whether the report correct, and if so, in what manner they were discussing the question?,

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: Sir. We did not think it proper to enquire into what happened at confidential meetings of the powers.

## EXPORT OF ANIMAL CASINGS FROM Delhi

- \*383. Shri P. N. RAJABHOJ: the Minister of COMMERCE AND INDUS-TRY be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that export trade of animal casings from Delhi has received a severe set-back during the last six months;
- (b) if so, what are the reasons therefor; and
- (c) what is the amount of foreign exchange earned during the previous two years on this export?

THE DEPUTY MINISTER OF COM-MERCE AND INDUSTRY SATISH CHANDRA): (a) (b). Statewise export figures, available.

(c) Rs. 28.8 lakhs and Rs. 29.5 lakhs during 1957 and 1958 respectively.

श्री पां० ना० राजभोज: क्या यह बात सच है कि पिछले छः महीनों से कोई नया भार्डर नहीं मिला भीर जो कुछ थोड़े से आर्डर्स भ्राये थे वे भी युरोपियन इम्पोर्टस ने कैंसिल कर दिये हैं, तो इसका क्या कारण है ?

श्री सतीश चन्द्र : मने ग्रभी सन् १६५७-५८ के फिगर्स बतलाये। सन् १९५६ के पहले पाठ महीनों के जो आंकड़े मेरे पास हैं उससे पह मालुम नहीं होता कि एक्सपोर्ट में कमी हुई है। ग्रगस्त तक २२ लाख रुपये का सामान गया और अगर किसी खास आदमी का कोई यार्डर केंसिल हुआ हो तो मुझे उसकी इत्तिला नहीं हैं।

श्री पां० ना० राजभोज : इस व्यापार में कमी होने के जो कारण बताये गये हैं उसको सुधारने के लिये सरकार क्या कर रही है श्रीर स्टाकहोम के भारतीय वकालत ने जो यह सजेशन दिया है कि बम्बई, दिल्ली तथा कलकत्ता के स्लाटर हाउसेज में प्रोसेसिंग प्लाण्ट लगाने के लिये ट्रेडर्स की को-म्रापरे-टिक्ज बनाई जायें तो सरकार इस पर क्या विचार कर रही है ?

श्री सतीश चन्द्र : में सवाल को ग्रन्छी तरह से नहीं समझा कि माननीय सदस्य . . .

श्री पां० ना० राजभोज : में यह पूछ रहा था कि स्टाकहोम के भारतीय वकालत ने जो यह सजेशन दिया है कि बम्बई, दिल्ली तथा कलकत्ता के स्लाटर हाउसेज में प्रोसेसिंग प्लान्ट लगाने के लिये ट्रेडर्स की को-ग्रापरे-टिव्ज बनाई जायें, इस बारे में सरकार क्या विचार कर रही है ?

श्री सतीश चन्त्र : इसके ऊपर गौर हुआ भौर फुड एण्ड एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री से इसके बारे में सलाह करके स्टेट गवर्नमेंट्स को लिखा गया है कि वे इस बारे में मनासिब कदम उठायें।

\*384 and \*385. [Postponed to the 17th December 1959.]

FOREIGN EXCHANGE EXPENDED FOR PAYMENT OF ROYALTIES

\*386. Shri DAHYABHAI V. PATEL: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the total amount of foreign exchange expended annually during the last five years for payment of royalties for collaboration between Indian and foreign firms; and